महिलाओं ने सीखी राजनीति

अमरावती : *अधिवेशन में मंचासीन महिला नेता तथा उपस्थित महिला आंदोलन संगठन की हजारों महिला कार्यकर्ता.*

महिलाओं का हक

▶▶ महिला राजसत्ता-अधिवेशन का शानदार समापन

प्रतिनिधि, 30 मार्च

अमरावती - महिला राजसत्ता आंदोलन के 5 वे राज्यस्तरीय अधिवेशन का सोमवार को शानदार समापन हुआ. महिलाओं ने राजनीति सीखी, विकास व सत्ता की शादी रचाने के गुर सीखे. अधिवेशन के दूसरे दिन कारभारणी कमाई दिंडी निकली. खुले अधिवेशन में कई मान्यवर महिला नेत्रियों ने विचार रखे. सत्ता व विकास का प्रतीकात्मक विवाह समारोह के साथ अधिवेशन का समापन किया गया.

स्थानीय सायंस्कोर मैदान में चल रहे महिला राजसत्ता आंदोलन के राज्य अधिवेशन के दूसरे दिन सुबह 8 बजे से कारभारणी कमाई दिंडी (प्रभात फेरी) को रविकुमार राणा ने हरी झंडी दिखाई. वैसे ही 11.30 से कमाई दिन का सारांश व आंदोलन की भूमिका बताई. 12.30 बजे से मुक्त नाटिका 'मुलगी झाली हो' के साथ महिला जागृति के विचार रखे गए.

इस कार्यक्रम में महिला जागृति के साथ 11 सूत्रीय मांगों की घोषणा की गई व नाटक द्वारा महिलाओं का महत्व समझाया गया.

इस आंदोलन में प्रस्ताव किए गए मांगों में विधि मंडल व संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिले, पंचायत राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलना ही चाहिए, महिला सरपंच को मुफ्त एसटी पास मिलना चाहिए, पंचायत राज महिला लोक प्रतिनिधि संरक्षण अधिनियम त्वरित पारित होना चाहिए. गांव में महिला भवन व तालुका स्तर पर सरपंच भवन होना ही चाहिए. विकेंद्रित पंचायत राज व्यवस्था के लिए 11 वें परिशिष्ट हस्तांतरित होना चाहिए. महिला व वंचितों के लिए पंचायत राज में आरक्षित निधि का योग्य उपयोग करने की मार्गदर्शिका देने में आये ग्राम सभा व महिला ग्राम सभा को वैधानिक दर्जा प्रदान कर आर्थिक निधि की योजना लागू करे. महिला सरपंच को बैठक भत्ता व मानधन केरल पैटर्न के आधार पर निर्धारित करे.

स्थानीय स्वराज्य संस्था का आर्थिक मजबूती के लिए महाराष्ट्र वित्त आयोग कार्यरत किया जाए. शासन द्वारा दारु मुक्त महाराष्ट्र तथा अत्याचार मुक्त महाराष्ट्र योजना की घोषणायें की जाए. इस कार्यक्रम के समापन समारोह में सत्ता व विकास का प्रतीकात्मक पुर्नविवाह समारोह का आयोजन भी किया गया.

कार्यक्रम में मुख्य रुप से मंच पर रविकुमार राणा, प्रकाश रेड्डी, अर्चनाताई जतकर आदि उपस्थित थे. कार्यक्रम में आदर्श महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया. आदर्श महिला सरपंच माझा गांव आमचा कारभार के लिए डा. सरोजनी नायडू पुरस्कार दिया गया. इस कार्यक्रम में लगभग दोनों दिन 15 हजार महिलाओं ने भाग लिया. जिसके रहने-खाने की व्यवस्था रविकुमार राणा द्वारा की गई थी.

कार्यक्रम में मुख्य रुप से पुष्पाताई बोंडे, उषाताई उताने, कुमुदिनी ताई इंगले, संगीताताई मालशे, भीम रासकर, मायाताई सोरटे, सुनीताताई राऊत, प्रज्ञाताई चौधरी, पुष्पाताई बनकर, सुनंदा ताई मांदले, रजनीताई घुंगरे, विजया माहुरे, सुदेश वैद्य, रत्नमालाताई वैद्य, कल्पना खिराले, गीता साटवणे उपस्थित थे. मंच संचालन रत्नमालाताई वैद्य, विजया दुर्धवले, सूर्यकांत कांबले, मीनाक्षीताई विराजदार, मालतीताई सगणे, दत्ता गुरव तथा सुनीता राऊत ने प्रमुखता से भाग लिया.